ISSN 2277-2685
IJESR/Jan-Mar. 2025/ Vol-15/Issue-1/464-466
डॉ. ईश्वर प्रसाद यदु / International Journal of Engineering & Science Research

प्राथमिक विद्यालय कक्षा शिक्षण में वार्तालाप गतिविधि, रोल प्ले और तत्क्षण प्रस्तुति – एक अध्ययन

डॉ. ईश्वर प्रसाद यदु (सहायक प्रध्यापक),
शिक्षा विभाग
श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय, रायपुर, (छ.ग.)

सार

यह शोधपत्र प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा शिक्षण के दौरान वार्तालाप गतिविधि, रोल प्ले और तत्क्षण प्रस्तुति की भूमिका का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत करता है। यह अध्ययन शिक्षण पद्धतियों को अधिक प्रभावी बनाने और छात्रों की रचनात्मकता, भाषा कौशल और आत्मविश्वास को बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया है। इसमें विभिन्न शिक्षण पद्धतियों के प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। अध्ययन में यह दर्शाया गया है कि संवाद आधारित शिक्षण पद्धतियाँ न केवल छात्रों के शैक्षिक परिणामों को बढ़ाती हैं, बल्कि उनके सामाजिक और भावनात्मक विकास में भी सहायक होती हैं।

1 परिचय

शिक्षा के क्षेत्र में प्राथमिक स्तर सबसे अधिक महत्वपूर्ण होता है क्योंकि यह छात्रों के शैक्षिक और भावनात्मक विकास की नींव रखता है। परंपरागत शिक्षण विधियाँ जैसे व्याख्यान विधि, केवल जानकारी प्रदान करने तक सीमित होती हैं, जो छात्रों की रचनात्मकता और सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित नहीं करती। इसके विपरीत, वार्तालाप गतिविधियाँ, रोल प्ले और तत्क्षण प्रस्तुति जैसी पद्धतियाँ शिक्षार्थियों को कक्षा में सक्रिय रूप से शामिल करती हैं। ये विधियाँ छात्रों को भाषा कौशल, तर्क शक्ति और समस्या समाधान की क्षमता विकसित करने में मदद करती हैं।

2 अध्ययन की आवश्यकता

प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षण की गुणवत्ता सुधारने और छात्रों के संपूर्ण विकास को बढ़ावा देने के लिए शिक्षण विधियों में सुधार आवश्यक है। वार्तालाप आधारित पद्धतियों का उपयोग छात्रों के लिए सीखने के अनुभव को अधिक आकर्षक और उपयोगी बना सकता है।

3 अध्ययन के उद्देश्यः

इस अध्ययन के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैंः

- वार्तालाप गतिविधि, रोल प्ले और तत्क्षण प्रस्तुति के शिक्षण पर प्रभाव का मूल्यांकन करना।
- छात्रों के भाषा कौशल, आत्मविश्वास और रचनात्मकता में सुधार का आकलन करना।
- शिक्षकों के दृष्टिकोण और उनकी प्रशिक्षण आवश्यकताओं को समझना।

इन विधियों के कार्यान्वयन में आने वाली चुनौतियों का विश्लेषण करना।

4 समीक्षा साहित्यः

भाषा शिक्षण में संवादात्मक पद्धतियों की भूमिकाः

वाइगोत्स्की (1978) के समाजिक–संवेदात्मक सिद्धांत के अनुसार, संवाद आधारित शिक्षण छात्रों को उनकी प्रख्यात विकासात्मक क्षमता (वदम वि च्तव•पउंस क्मअमसवचउमदज) तक पहुँचने में मदद करता है।

रोल प्ले और नाट्य शिक्षाः

रोल प्ले छात्रों को काल्पनिक परिस्थितियों में डालकर उनकी रचनात्मकता, टीम वर्क और निर्णय लेने की क्षमता को प्रोत्साहित करता है।

तत्क्षण प्रस्तुतिः

तत्क्षण प्रस्तुति छात्रों के सार्वजनिक बोलने के कौशल को सुधारती है। यह उन्हें आत्म–अभिव्यक्ति और आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद करती है।

शिक्षा में नवाचारः

शोध बताते हैं कि पारंपरिक पद्धतियों के बजाय संवादात्मक पद्धतियाँ छात्रों के सीखने की गति और समझ को बेहतर बनाती हैं।

5 शोध पद्धतिः

1. जनसंख्या और नमूनाः

यह अध्ययन उत्तर प्रदेश के पाँच ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के प्राथमिक विद्यालयों में किया गया। कुल 200 छात्रों (कक्षा 3 से 5 तक) और 20 शिक्षकों को नमूने के रूप में चुना गया।

2. डेटा संग्रह के उपकरणः

- सर्वेक्षण प्रश्नावलीः शिक्षकों और छात्रों के दृष्टिकोण को समझने के लिए।
- साक्षात्कारः शिक्षकों से उनकी चुनौतियों और अनुभवों को जानने के लिए।
- कक्षा पर्यवेक्षणः वास्तविक समय में गतिविधियों का अवलोकन।
- प्रायोगिक अध्ययनः तीन महीनों तक इन विधियों का उपयोग कक्षाओं में किया गया।

3. डेटा विश्लेषणः

डेटा का विश्लेषण ै सॉफ्टवेयर का उपयोग करके किया गया। सांख्यिकीय औजारों जैसे मानक विचलन और औसत का उपयोग किया गया।

भाषा कौशल में सुधारः

छात्रों के भाषा कौशल में 30ः तक की वृद्धि देखी गई। उन्हें नई शब्दावली का उपयोग करने में अधिक आत्मविश्वास महसूस हुआ।

आत्मविश्वास में वृद्धिः

- रोल प्ले और तत्क्षण प्रस्तुति ने छात्रों के आत्मविश्वास में 40ः तक सुधार किया।
- रचनात्मकता में सुधारः
- छात्रों में 50ः तक रचनात्मक सोच और त्वरित समस्या समाधान की क्षमता विकसित हुई।
- शिक्षकों की धारणाः
- 85ः शिक्षकों ने माना कि इन पद्धतियों ने शिक्षण को अधिक प्रभावी बनाया।

6 चुनौतियाँः

शिक्षकों ने समय की कमी और संसाधनों के अभाव को प्रमुख बाधाओं के रूप में पहचाना।

सांख्यिकीय आँकड़ेः

गतिविधि	सुधार का प्रतिशत
वार्तालाप	30ः
रोल प्ले	40ः
तत्क्षण प्रस्तुति	50ः

7 चर्चाः

अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि संवादात्मक और सक्रिय शिक्षण पद्धतियाँ छात्रों के समग्र विकास के लिए अत्यधिक प्रभावी हैं। इन विधियों का उपयोग छात्रों को केवल विषय वस्तु सिखाने तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और जिम्मेदार नागरिक बनाने में मदद करता है।

चुनौतियों का समाधानः

- शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित करना।
- कक्षा के लिए उपयुक्त संसाधनों का प्रावधान।
- स्कूल प्रशासन द्वारा इन गतिविधियों के लिए समय निर्धारित करना।

8 निष्कर्षः

प्राथमिक विद्यालय के शिक्षण में वार्तालाप गतिविधि, रोल प्ले और तत्क्षण प्रस्तुति को शामिल करना अत्यधिक लाभकारी है। इन पद्धतियों ने छात्रों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता और भाषा कौशल को बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सुझावः

इन विधियों को पाठ्यक्रम का अभिन्न अंग बनाया जाए।

शिक्षकों के लिए नियमित कार्यशालाओं का आयोजन किया जाए।
शिक्षण के लिए आधुनिक तकनीकी संसाधनों का उपयोग किया जाए।

9 संदर्भ सूचीः

1 कुमार, आर. (2018). शिक्षण में संवादात्मक विधियों का उपयोग। नई दिल्लीः शिक्षा प्रकाशन।
2 शर्मा, एस. (2020). रचनात्मक शिक्षण पद्धतियाँ। जयपुरः राज पब्लिशिंग।
3 National Education Policy (2020)- Ministry of Education, Government of India-
4 Vygotsky, L-S- (1978)- Mind in Society% The Development of Higher Psychological Processes- Harvard University Press-
5 Dewey, J- (1938)- Experience and Education- Kappa Delta Pi-Freire, P- ¼1970½- Pedagogy of the Oppressed-Continuum